RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 10 अंक : 3 जुलाई – सितम्बर 2024

EYE DONATION AWARENESS FORTHNIGHT

खूबसूरत आँखों को हर पल-हर दिन नई दुनिया दिखाएं...

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

सम्पादकीय

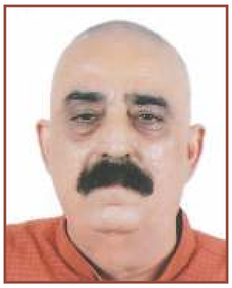

It gives me immense pleasure to welcome you to this edition of our Netra Jyoti . Through these pages, we aim to spread awareness, share inspiring stories, and build a community united by the shared goal of bringing light to those living in darkness.

In this issue, we have highlighted activities of Eye Donation Fortnight. Eye Donation Fortnight was a celebration of humanity's collective efforts to address corneal blindness, a condition that can rob millions of their ability to see the world's beauty.

Throughout these two weeks, organizations, hospitals, and volunteers across the nation came together to organize a variety of impactful activities. From awareness rallies and eye donation pledges to webinars, seminars, and workshops, every event aims was to educate and inspire action. This newsletter will keep you updated on these events and share stories that highlight the transformative power of eye donation

Every one of us has the power to become a beacon of light for someone in need. By pledging to donate your eyes, you leave behind a legacy that extends beyond life itself—a gift that transforms lives.

Let us remember that eye donation is not just a medical act; it is a humanitarian one. It reflects the best of what humanity stands for: compassion, generosity, and hope.

During my visit on April, 2024 at Human Right Council, General Assembly United Nations-Geneva. I raise the issue of implementation of Opt. - out - System also known as presume consent or deemed consent is a model for cadaver Eye Donation. In which individuals are considered potential donors by default unless family explicitly express a wish not to donate their organs. Now Indian Government is in process to implement the said Opt. - out - System for Eye Donation in our Country.

We encourage you to share this newsletter with friends and family, sparking conversations and inspiring others to join this noble cause. Together, we can build a future where no one is deprived of the beauty of vision.

Thank you for being a part of this journey. Let us continue to illuminate lives, one pledge at a time.

With warm regards,

GOBIND GURBANI
CO- EDITOR

जुलाई से सितम्बर 2024 की तिमाही में जिन लोगों के कॉर्निया प्रत्यारोपित किये गये उनमें से कुछ के चित्र यहाँ प्रकाशित किए जा रहे हैं।

फूली देवी

रूकमा देवी

भागुड़ी

प्रताप सिंह

प्रभु लाल

हरेन्द्र

सम्पत्ति देवी

मोहम्मद रफीक

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

President Message

Dear friends,

The next issue of the Rajasthan Netra Jyoti is being shared with you.

As you are aware, Eye Bank Society observes National Eye Donation Awareness Fortnight to spread awareness about the importance of eye donation in the society at large. For EBSR this is an annual program which is observed with a lot of enthusiasm and innovative programs. I personally feel we use this occasion as a celebration for spreading joy in the society by motivating as many people as possible to bring vision in the life of people who are not so fortunate. I am not aware if anywhere else it is celebrated with a similar spirit. It is very gratifying to see that chapters of EBSR, in about 11 districts, also do their best to use this fortnight to reach out to as many people as possible. This has been the backbone of our awareness campaign which has resulted in increased donations year after year. It is our endeavour to include variety of programs to keep the interest alive to increase participation.

This year at many places we made the participants blind folded for them to get an experience of a visually challenged person. At a University the program was made part of the TV entertainment program where students came forward with their own contribution to join our offers. Similar efforts were made in officers' training Institutions, colleges and medical organisations.

We have also gradually established a tradition of Honouring the families of the eye Donors during the year. This time our Jodhpur and Kota chapters honoured such families during this fortnight which was a roaring success.

We also used this period to participate in the discourse by respected religious leaders who were gracious and kind enough to spread the message of eye donation and support our mission. That will be a great help.

This quarter has not been as productive, on the cornea front, as we had expected based on early performances. We could hardly provide about 285 corneas for transplant which is much lower than our usual quarterly performance. This was partly due to shortage of staff and non-availability of suitable hands, despite few attempts. We have to get some willing and experienced workers in the near future.

I am grateful to our financial donors also because of whose generosity we could manage a contribution of about 1, 70, 000 during this quarter.

We have introduced a new system of pledging of Eyes through a mobile based missed call system which is gradually getting acceptance. This will help prospective donors to pledge their eyes for eye donation and also get instantly its certificates so to inform family and friends about your will to donate.

To all our well-wishers, friends and members I wish a very Prosperous and Happy Diwali.

With Warm Regards.

B. L. Sharma
President

नेत्रदान जागरुकता पखवाड़ा रिपोर्ट 2024

दिनांक 25 अगस्त से 8 सितंबर 2024 तक नेत्रदान के महत्व एवं लोगों के बीच जन चेतना जागृत करने के उद्देश्य से जयपुर सहित सभी कॉर्निया कलेक्शन सेंटर्स कोटा, उदयपुर पाली, माउंट आबू, जोधपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, अलवर, भरतपुर सरदारशहर, दौसा में इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पखवाड़े की शुरुआत भी 25 अगस्त को परंपरागत रूप से गणेश मंदिर जयपुर में पूजा अर्चना के साथ हुई। श्रद्धालु जो वहां पर अच्छी संख्या में उपस्थित थे, उनके लिए श्री एस पी वर्मा के निर्देशन में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति बहुत ही सुंदर ढंग से की गई। वहां खड़े होकर श्रद्धालु बहुत उत्सुकता एवं रुचि के साथ इसका अवलोकन कर रहे थे। पखवाड़े का एक पोस्टर भी वहां रिलीज किया गया।

नेत्रदान परिवार, समाज एवं देश की परंपरा बने और अधिकाधिक कॉर्निया प्राप्त कर कॉर्नियल ब्लाइंडनेस दूर किया जा सके इसी उद्देश्य से समिति से जुड़े सभी सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा वर्ष भर जन चेतना के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एवं निजी अस्पताल के डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ, पुलिस विभाग, धर्मगुरुओं के प्रवचन के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच जाकर नेत्रदान की आवश्यकता एवं महत्व, व्याप्त भ्रांतियां, नेत्रदान की प्रक्रिया एवं नेत्रदान के संकल्प लेने के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस बार इन 15 दिनों के दौरान विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रमुख रूप से आधिकाधिक युवाओं तक अपनी बात पहुंचाने के लिए विभिन्न कालेज एवं विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर में गीता बजाज इ.एव कॉलेज, मीरा गर्ल्स कालेज, राजकीय नर्सिंग कॉलेज, विल्फ्रेड कॉलेज, गवर्नमेंट गर्ल्स एवं बायजं कॉलेज दौसा एवं सांगानेर, इंडिया इंटरनेशनल कॉलेज, कनोडिया कॉलेज, बियाणी कॉलेज आदि में वार्ता फिल्म शो, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं आदि के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया गया।

उम्मीद की एक किरण इन कार्यक्रमों के आयोजन के समय स्पष्ट रूप से देखने को मिली कि युवा विशेष कर एन एस एस एवं नर्सिंग कोर्स के विद्यार्थियों ने नेत्रदान के इस कार्यक्रम के प्रति पूर्ण विश्वास एवं समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि वे आई बैंक कार्यालय में आकर संपूर्ण प्रक्रिया को समझना चाहते हैं। ज्योति मित्र बनकर अपने आसपास में परिवार एवं समाज के लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने को तैयार है। हम सभी कार्यक्रम संयोजकों से अनुरोध करेंगे की इन संस्थाओं से संपर्क कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करें।इन कार्यक्रमों का संयोजन सुश्री दीपाली भार्गव, श्री सौरभ कंसल, श्री गोविन्द गुरबानी, सुश्री कमल पानगड़िया के द्वारा किया गया।

इस बार भी हमने राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में प्रशिक्षणार्थि पुलिस ऑफिसर्स एवं अन्य ट्रेनीज के लिए दो कार्यक्रम आयोजित किए। पुलिसकर्मियों की नेत्रदान में मृत व्यक्तियों के परिवार जनों की समझाइश, मेडिकल लीगल केसेस में पंचनामा बनाने में त्वरित कार्यवाही नेत्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका रखती है। इसी कारण हम एसएमएस हॉस्पिटल में वहां के थाने के सहयोग से सर्वाधिक कॉर्निया एकत्रित कर पा रहे हैं। इन दोनों ही कार्यक्रमों के आयोजन में आई बैंक सोसाइटी के उपाध्यक्ष श्री कपिल गर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस प्रकार के आयोजन अन्य जिलों में भी किए गए।

एनसीसी डायरेक्टर की पहल से 31 अगस्त को छोटी चौपड़ से बड़ी चौपड़ हवा महल तक एन सी सी कैडेट्स की एक रैली आयोजित की गई। रैली को फ्लैग ऑफ श्री रवि प्रकाश मेहरड़ा डी जी पी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) ने किया। वे स्वयं पूरे रास्ते हमारे साथ पैदल मार्च करते हुए हवा महल तक आए। वहां पहुंचकर कर्नल पीयूष मिश्रा ने सभी कैडेट्स को

नेत्रदान की शपथ दिलवाई। सभी कैडेट्स को रिफ्रेशमेंट दिया गया । इस कार्यक्रम के संयोजन एवं सफलता का श्रेय श्रीमती शोनू जैन को जाता है।

इस बार जैन समुदाय के धार्मिक गुरुओं के प्रवचन के दौरान उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अनूठा कार्य श्रीमती अंजू जैन की प्रेरणा से मोहनबाड़ी एवं जवाहर नगर जैन लाल मंदिर में सम्भव हो सका। प्रवचन के दौरान ही नेत्रदान का महत्व सभी को बताया गया। मुनि श्री ने भी अपने प्रवचन में इसका समर्थन करते हुए जैन समुदाय को अधिकाधिक नेत्रदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

निम्स यूनिवर्सिटी में भी नेत्रदान के लिए एक अच्छा कार्यक्रम डॉ तेजेंद्र अहलूवालिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया । विद्यार्थियों द्वारा मॉडल बनाए गए एवं रैली का आयोजन भी किया गया। इसके संयोजन में श्री ललित कोठारी एवं अंजू जैन की प्रमुख भूमिका रही ।

इस बार कुछ कार्यक्रम एकदम लीक से हटकर आयोजित किए गए, जिनमें इक्फाई यूनिवर्सिटी में फर्स्ट इंडिया एंटरटेनमेंट द्वारा क्विज का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा कॉर्नियल ब्लाइंड व्यक्ति के जीवन की कठिनाइयों को रोल प्ले एवं कविता के माध्यम से बताया गया। उसके बाद नेत्रदान के विभिन्न पक्षों की जानकारी दी गई।यह कार्यक्रम अध्यक्ष श्री बीएन शर्मा साहब के इनीशिएटिव पर आयोजित हो सका।

श्री रवि कामरा जी के सहयोग से हेरिटेज ऑन टू व्हील्स नेत्रदान जन अभियान के सभी साइकिल राइडर्स ने जयपुर से जैसलमेर तक पूरे रास्ते नेत्रदान के लिए समुदाय को जागरूक किया और जोधपुर पहुंचने पर जोधपुर चेप्टर एवं रोटरी क्लब इंफिनिटी जोधपुर ने उनका हार्दिक स्वागत किया। राइडर्स ने अपने रास्ते के अनुभवों को सभी के साथ साझा किया एवं भविष्य में भी इस कार्य के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई।

शहरी क्षेत्र से बाहर निकल कर ग्रामीण क्षेत्र में भी कुछ कार्यक्रम आयोजित किए गए। दौसा की भांडारेज पंचायत समिति में आई चेक अप कैंप कल्प संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसमें नेत्र रोग से संबंधित 260 लोगों की जांच कर उन्हें निःशुल्क चश्मा भी उपलब्ध करवाया गया। आगामी जांच एवं केटरेक्ट आदि के बारे में भी आगे की जाने वाली बातें समझाई गई। यदि किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर दौसा में हमारे प्रतिनिधि श्री पवन से संपर्क करने की सलाह भी दी गई । एक युवा लड़की जिसके कार्निया की तकलीफ़ थी उसे एवं उसके पिता को जयपुर आकर हमारा सहयोग लेने एवं निशुल्क इलाज करवाने के लिए प्रेरित किया गया। इस केम्प के आयोजन में श्रीमती उषा बापना का पूर्ण सहयोग रहा।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिवपुर, जमुआ रामगढ़ में भी नेत्रदान के लिए जन चेतना कार्यक्रम श्री रवि कामरा जी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि अभिभावक एवं अन्य लोग शामिल हुए ।

एच सी एम रीपा जयपुर में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी नेत्रदान की जागरूकता एवं महत्व को बताने के लिए एक कार्यक्रम श्री बी एल शर्मा साहब की पहल पर रखा गया।

ग्रामीण श्रोताओं तक नेत्रदान की बात पहुंचाने हेतु दूरदर्शन जयपुर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कर्नल शुक्ला एवं श्री एच सी सिंगल ने आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान की ओर से नेत्रदान के सभी पक्षों की जानकारी दी।

दिनांक 8 सितंबर को पखवाड़े का समापन पद्म भूषण श्री डी आर मेहता साहब के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ दीपक माहेश्वरी प्रिंसिपल एसएमएस मेडिकल कॉलेज, श्री महेंद्र सोनी एडिशनल डीजी एससीएम

रीपा के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ। सचिव श्री ललित कोठारी द्वारा सभी का स्वागत किया गया तथा अध्यक्ष श्री बी एल शर्मा द्वारा ई बी एस आर की उपलब्धियों एवं किये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। सभी नेआई बैंकऑफ राजस्थान द्वारा किए जा रहे कार्य एवं उपलब्धियां की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इस संबंध में कुछ सुझाव भी प्राप्त हुए। कॉर्निया कलेक्शन के साथ ही कॉर्निया ट्रांसप्लांट करने की सुविधा ई बी एस आर अपने स्तर पर ही शुरू करें जिससे अधिक से अधिक कॉर्निया अपने राज्य में ही काम आ सकें। राज्य स्तर पर क्रमबद्धता से सभी जिलों में केरेटोप्लास्टि की सुविधा राज्य सरकार के द्वारा उपलब्ध करवाई जाए। अपनी संस्था के कार्यों एवं उपलब्धियों की मीडिया पर अधिकाधिक जानकारी उपलब्धता सुनिश्चित की जाएं।

वर्ष पर्यंत कॉर्निया कलेक्शन एवं ट्रांसप्लांटेशन में सहयोग के लिए डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, दानदाता एवं संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी के धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुआ। श्रीमती आभा चतुर्वेदी द्वारा बहुत ही सुंदर ढंग से इस कार्यक्रम का संचालन किया गया।

उषा बापना
संयुक्त सचिव

हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा फाउंडेशन (HSSF) द्वारा एक विशाल मेले का आयोजन

जयपुर में दिनांक 26 से 30 सितंबर 2024 तक हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा फाउंडेशन (HSSF) द्वारा एक विशाल मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का आयोजन जयपुर में दशहरा मैदान आदर्श नगर में किया गया। यह मेला उत्तर भारत का एक बहुत बड़ा आयोजन था। संपूर्ण मेले की अवधि के दौरान कम से कम 5 लाख दर्शकों ने मेले को देखा।

उक्त मेले का उद्घाटन दिनांक 26 सितंबर 24 को महामहिम श्री जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति भारत द्वारा, साध्वी रितंभरा जी, गायत्री परिवार के आध्यात्मिक प्रमुख श्री प्रणव पंड्या, परमार्थ निकेतन आश्रम के आध्यात्मिक गुरु श्री चिदानंदजी महाराज एवम सांसद जयपुर श्रीमती मंजू शर्मा एवम हजारों दर्शकों की मौजूदगी में किया गया।

इस आयोजन में हिंदू सेवा एवम आध्यात्मिक संगठनों को निशुल्क स्टॉल्स दिए गए थे। और उन्हें अपनी अपनी सेवा गतिविधि एवम प्रकल्प बताने का अवसर दिया गया था।

इस अवसर पर आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान द्वारा भी पांच दिवस तक एक स्टॉल लगाया गया। जिसमें आम आगंतुकों को नेत्रदान के बारे में पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई एवं आगंतुकों की विभिन्न शंकाओं का समाधान भी किया गया । इस दौरान नेत्रदान के संकल्प हेतु, EBSR की मिस्ड कॉल सर्विस 7375855855 के बारे में भी लोगों को जानकारी दी गई । आगंतुकों से संकल्प पत्र भी भरवाए गए । मेले में EBSR स्टॉल पर कम से कम 1 लाख दर्शकों ने स्टॉल को देखा।

नेत्रदान की जागरूकता हेतु लगाए गए स्टॉल में EBSR सदस्य श्री अजय गुप्ता का विशेष योगदान रहा। EBSR के सचिव श्री ललित कोठारी, श्रीमती दीपाली भार्गव एवम श्रीमती अंजू जैन ने भी नेत्रदान की जागरुकता हेतु अपनी सेवाएं दी। साथ ही EBSR के स्टाफ में श्री रामदयाल शर्मा, श्री संतोष, श्री मुकेश एवं ओम प्रकाश की भी सक्रिय भागीदारी रही।

इस मेले में स्टॉल्स के अतिरिक्त, शानदार विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

इस विशाल मेले के आयोजन में HSSF के पदाधिकारी श्री राजकुमार जी बाफना अध्यक्ष, श्री सोमकांत जी मेला सचिव एवं श्री दिनेश पितलिया जी कोषाध्यक्ष का विशेष योगदान रहा।

इस मेले का एक अनूठा पहलू यह था की जो विभिन्न सेवा संगठन अपने अपने स्तर पर पृथक पृथक कार्य कर रहे हैं उन्हें एक ही छत के नीचे आकर एक दूसरे से रूबरू होने का एक दूसरे के काम देखने व समझने का बहुत अच्छा अवसर मिला।

अजय गुप्ता
सदस्य

महावीर इंटरनेशनल चित्तौड़गढ़ द्वारा नेत्रदान पर जागरुकता अभियान पखवाडा 2024

नेत्रदान महादान है, यह एक अमूल्य उपहार,
अंधकार को मिटाकर, लाओ जीवन में उजियार।
जब एक नेत्रदान से मिलती है दो को दृष्टि की नई किरण,
तो जीवन की राह बनती है, और भी सुंदर एवं सरल

उपरोक्त भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के आवाहन पर महावीर इंटरनेशनल चितौड़गढ़ द्वारा महावीर इंटरनेशनल नेत्र चिकित्सालय में आज दिनांक 26 अगस्त 2024 को नेत्रदान जागरूकता अभियान पखवाड़े के तहत नेत्रदान कराने का संदेश देने के लिए एक निशुल्क वृहद नेत्र परीक्षण एवम उपचार शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में आए करीब 200 लोगो को संबोधित करते हुवे नेत्र विशेषज्ञ डा. प्रतिष्ठा छीपा ने नेत्रदान की आवश्कता, इससे जुड़े कई भ्रांतियों एवम तथ्यो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नेत्रदान की प्रक्रिया के बारे में समझाया।

संस्था के चेयरमैन अभय संजेती ने नेत्रदान को मानव धर्म मानते हुवे इसे बढ़ावा देने के लिए सभी से अनुरोध किया और संपर्क सूत्रों के बारे में समझाया।

अंत में EBSR के नेत्र उत्सर्जन विशेषज्ञ महेंद्र पारिख ने आभार जताया।

महावीर इंटरनेशनल चित्तौड़गढ़ द्वारा जिला कारागार चित्तौड़गढ़ में नेत्रदान जागरुकता अभियान पर कार्यशाला

महावीर इंटरनेशलन चित्तौड़गढ़ द्वारा जिला कारागार चित्तौड़गढ़ में नेत्रदान जागरुकता अभियान पर कार्यशाला

महावीर इंटरनेशलन चित्तौड़गढ़ द्वारा जिला कारागार चित्तौड़गढ़ में नेत्रदान जागरुकता अभियान पर कार्यशाला

नेत्रदान –दृष्टिदान –महादान एवम जिंदगी के साथ भी, और जिंदगी के बाद भी।

उपरोक्त भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के आव्हान पर नेत्रदान जागरूकता अभियान पखवाड़ा के तहत महावीर इंटरनेशनल चितौड़गढ़ द्वारा जिला कारागार चित्तौड़गढ़ में मंगलवार दिनांक 3 सितंबर को एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में आए करीब 300 बंदियों एवम प्रहरियो को संबोधित करते हुए नेत्र विशेषज्ञ डा प्रतिष्ठा छीपा ने नेत्रदान की आवश्कता, नेत्रदान की प्रक्रिया, इससे जुड़े कई भ्रांतियों एवम तथ्यो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नेत्रदान की प्रक्रिया के बारे में समझाया।

संस्था के चेयरमैन अभय संजेती ने नेत्रदान को मानव धर्म मानते हुवे इसे बढ़ावा देने के लिए सभी से अनुरोध किया और संपर्क सूत्रों के बारे में समझाया।

सभी श्रोताओं को नेत्रदान की विस्तृत जानकारी प्रदान करने एवम संपर्क करने के प्रयोजन से एक लघु पुस्तिका की कई प्रतियां भी जेल वाचनालय में उपलब्ध कराईं गई।

जेल प्रशासन ने नेत्रदान प्रकल्प को लेकर महावीर इंटरनेशनल के प्रयासों की सराहना की।

अंत में महावीर इंटरनेशनल के वीर अमरकंठ उपाध्याय ने जेल उप अधीक्षक श्री निरंजन शर्मा एवं जेलर श्री ओंकार लाल एवं जेल प्रशासन

के प्रति आभार जताया जिन्होंने यह कार्यशाला आयोजित करने के लिए सहयोग प्रदान किया। संस्था के श्री राजेंद्र संचेती, राहुल गर्ग एवम महेंद्र पारिख ने कार्यशाला आयोजित करने में भूमिका निभाई।

महावीर इंटरनेशनल चित्तौड़गढ़ द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चित्तौड़गढ़ में नेत्रदान जागरुकता अभियान पर कार्यशाला

नेत्रदान –दृष्टिदान –महादान एवम आओ खूबसूरत आखों को हर पल नई दुनिया दिखाए।

उपरोक्त भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के आव्हान पर नेत्रदान जागरूकता अभियान पखवाड़ा के तहत महावीर इंटरनेशनल चितौड़गढ़ द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चित्तौड़गढ़ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परबत सिंह के मुख्य आतिथ्य एवम पुलिस लाइन इंचार्ज अनिल पांडेय की अध्यक्षता में बुधवार दिनांक 4 सितंबर को एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में आए 100 से अधिक पुलिस कर्मियों एवम अधिकारियों को संबोधित करते हुवे नेत्र विशेषज्ञ डा प्रतिष्ठा छीपा ने नेत्रदान की आवश्कता, नेत्रदान की प्रक्रिया, इससे जुड़े कई भ्रांतियों एवम तथ्यो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नेत्रदान की प्रक्रिया के बारे में समझाया।

संस्था के चेयरमैन अभय संजेती ने नेत्रदान को मानव धर्म मानते हुवे इसे प्रोत्साहित करने के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने विशेष तौर पर पुलिस कर्मियों के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल लीगल केसेस एवम एक्सीडेंट केसेस में वे त्वरित कारवाई कर के समय पर नेत्रदान के लिए मृतक के परिवार को प्रेरित भी कर सकते है।

सभी श्रोताओं को नेत्रदान की विस्तृत जानकारी प्रदान करने एवम संपर्क करने के प्रयोजन से एक लघु पुस्तिका की प्रतियां भी उपलब्ध कराईं गई।

मुख्य अथिति ने नेत्रदान प्रकल्प को लेकर महावीर इंटरनेशनल के प्रयासों की सराहना की।

अंत में महावीर इंटरनेशनल के वीर अमरकंठ उपाध्याय ने पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ एवम रिजर्व पुलिस लाइन स्टाफ के प्रति आभार जताया जिन्होंने यह कार्यशाला आयोजित करने के लिए सहयोग प्रदान किया। रिजर्व पुलिस लाइन के धनराज लाइन ऑफिसर एवं देवेंद्र सिंह हवलदार मेजर ने कार्यशाला आयोजित करने में सहयोग प्रदान किया

पुलिस लाइन में नेत्रदान जागरुकता कार्यशाला आयोजित

जननायक। चित्तौड़गढ़। आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के आव्हान पर नेत्रदान जागरूकता अभियान पखवाड़ा के तहत महावीर इंटरनेशनल द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परबत सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं पुलिस लाइन इंचार्ज अनिल पांडेय की अध्यक्षता में बुधवार को जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में आए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए नेत्र विशेषज्ञ डॉ. प्रतिष्ठा छीपा ने नेत्रदान की आवश्यकता, नेत्रदान की प्रक्रिया, इससे जुड़ी कई भ्रांतियों एवं तथ्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नेत्रदान की प्रक्रिया के बारे में समझाया। संस्था के चेयरमैन अभय संजेती ने नेत्रदान को मानव धर्म मानते हुए इसे प्रोत्साहित करने के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने विशेष तौर पर पुलिस कर्मियों के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल लीगल केसेस एवम एक्सीडेंट केसेस में वह त्वरित कार्रवाई कर समय पर नेत्रदान के लिए मृतक के परिवार को प्रेरित कर सकते हैं। इस दौरान सभी को नेत्रदान की विस्तृत जानकारी प्रदान करने एवं संपर्क करने के प्रयोजन से एक लघु पुस्तिका की प्रतियां भी उपलब्ध कराई गई। अंत में महावीर इंटरनेशनल के वीर अमरकंठ उपाध्याय ने पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवम रिजर्व पुलिस लाइन स्टाफ का आभार जताया।

अलवर द्वारा नेत्रदान पर जागरुकता अभियान पखवाडा 2024

नेत्रदान की आवश्यकता

हमारे देश में हर वर्ष 25 अगस्त से 08 सितम्बर, 2024 तक राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा मनाया जाता है। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा प्रदेश में नेत्रदान के प्रति आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने, समाज में स्वैच्छिक नेत्रदान की भावना को जागृत करने तथा प्रत्येक परिवार में मरणोपरान्त नेत्रदान की परम्परा को स्थापित करने के उद्देश्य से यह राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इन दिनों में कई संगठन के लोगों द्वारा आँखों को मृत्यु उपरान्त दान करने के लिए प्रोत्साहित करने एवं शिक्षित करने के लिए एक साथ मिलकर भी काम करते हैं। ताकि जरूरतमंद लोगों को दृष्टि का उपहार मिल सके।

सांसारिक नैसर्गिक सौन्दर्य के अतिरिक्त दृष्टि दिन प्रतिदिन की गतिविधियों में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बहुत सारे कारणों में से लोग अंधकार की दुनिया में चले जाते हैं। एक दयालु नेत्रदाता से नेत्रदान केवल उन्हें दृष्टि का उपहार प्रदान करने में मदद कर सकता है। नेत्रदान में कार्निया का प्रत्यारोपण किया जाता है।

पहला सफल कॉर्निया प्रत्यारोपण सन् 1905 में किया गया था और पहला नेत्र बैंक सन् 1944 में स्थापित किया गया था। नेत्रदान हेतु जागरूकता की कमी सामाजिक या धार्मिक आदि कारणों से नेत्रदान को अभी तक उचित महत्त्व नहीं मिल पाया है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा सभी राज्यों के नेत्र बैंकों, नेत्रदान केन्द्रों और नेत्रदान प्रशिक्षण केन्द्रों को जोड़ने के लिए भी आगे आता है। ताकि नेत्रदान के महत्त्व के बारे में लोगों को जागरूक किया जा सके और व्यक्तियों को मृत्यु के बाद आंखें दान करने के लिए प्रेरित कर सकें। भारतीय संस्कृति की यह विशेषता है कि यहाँ के सभी धर्मों में चाहे सनातन धर्म हो, जैन धर्म हो, सिक्ख धर्म हो या बौद्ध धर्म हो सभी ने दया, करुणा, परोपकार की भावना पर बल दिया है। इसमें नेत्रदान, अंगदान, रक्तदान करके हम अपने धर्म की पालना कर रहे हैं। वैसे तो ईसाई धर्म व इस्लाम में इस भावना का कहीं विरोध नहीं है। यह दुनिया बहुत ही खूबसूरत है लेकिन इसकी सुन्दरता का अहसास तभी हो सकता है जब देखने के लिए दो आँखें हों। अभी तक असंख्य लोग ऐसे हैं जो कॉर्निया की खराबी के कारण देख नहीं पा रहे हैं। देश में उनके लिए कार्य करने वाली अनेक संस्थाएं हैं जो मृत देह से कॉर्निया दान में लेकर दृष्टिबाधित लोगों की आँखों में प्रत्यारोपित करवा रही है, यानि कॉर्निया ट्रांसप्लांट करवा रही है। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान जाति, धर्म, सम्प्रदाय, गरीब, अमीर आदि का भेदभाव किये बिना पहले आओ पहले पाओ के सिद्धान्त पर जन सहयोग के आधार पर पिछले 2 दशकों से भी अधिक समय से नेत्रदान प्राप्त करने तथा राज्य के एवं अन्य राज्यों के दृष्टिबाधित लोगों की आँखों में कॉर्निया प्रत्यारोपित करने का काम कर रही है। लेकिन राजस्थान में अभी भी हजारों लोग कॉर्निया प्रत्यारोपित करवाने की कतार में हैं।

हमारे देश में प्रतिवर्ष करीब 1 लाख कॉर्निया की आवश्यकता है जबकि हमें लगभग 25000 कॉर्निया ही मिल पाते हैं। इन परिस्थितियों में हमें जागरूकता फैलाने के लिए सरकारी स्तर पर और गैर सरकारी स्तर पर इस दिशा में आगे बढ़ना होगा। सरकार को चाहिये कि मृत्यु उपरान्त नेत्रों को राष्ट्रीय सम्पत्ति घोषित कर दी जाये तथा सभी स्कूलों के पाठ्यक्रम में इस विषय को जोड़ दिया जाए ताकि बचपन से ही बच्चों के मन में यह भावना रहे एवं अखबार, टी.वी., रेडियो पर नेत्रदान जागरूकता हेतु कार्यक्रम प्रसारित करवायें।

अंधता निवारण का कार्य तभी गतिशील हो सकता है जब नेत्रदान एक जन आंदोलन का आकार ले और हर परिवार इसे अपनी परम्परा का हिस्सा बनावें।

(डॉ. हर्ष कुमार शर्मा)
कॉडिनेटर
आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान
चेप्टर अलवर (राज.)

चिकित्सा विभाग एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, पाली चैप्टर की संयुक्त गतिविधी

पाली, 03 सितम्बर 2024/ आमजन को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सम्पूर्ण देश में हर वर्ष 25 अगस्त से 08 सितम्बर के दौरान आयोजित किये जा वाले '' राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा '' कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान पाली चैप्टर संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को प्रातः 11.30 बजे राजकीय बांगड़ चिकित्सालय स्थित ए.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र, पाली के सभागार में एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधीन संचालित राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवी संगठन आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान पाली चैप्टर के सहयोग से ए.एन.एम. प्रशिक्षण प्राप्त कर रही प्रशिक्षणार्थियों के लिये मंगलवार को आयोजित कार्यशाला के दौरान नेत्रदान के बारे में सम्पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई है, ताकि वे अपने अपने क्षेत्र में आमजन को इस बारे में जागरूक कर सकें तथा नेत्रदान के महत्व के बारे में आमजन को पर्याप्त एवं सटीक जानकारी प्रदान कर सकें।

मंगलवार को जागरूकता कार्यशाला में चिकित्सा विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. आर.के. गर्ग ने जानकारी प्रदान करते हुये बताया कि नेत्रदान को सभी धर्मों में मान्यता प्रदान की गई है, नेत्रदान मृत्यु के उपरांत ही सम्भव है। एक व्यक्ति द्वारा नेत्रदान करने से दो नेत्रहीनों को आँखों की रोशनी मिल सकती है। नेत्रदान किसी भी आयु, लिंग का व्यक्ति कर सकता है, उसका चाहे कोई भी रक्त समूह हो।

कार्यशाला में अपने विचार रखते हुये राजकीय बांगड़ चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर.के. बिश्नोई ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वे नेत्रदान हेतु लोगों को प्रेरित करें । नेत्रदान के बारे में उन्होंने बताया कि जिनका मोतियाबिन्द का ऑपरेशन हुआ है, वे भी नेत्रदान कर सकते हैं, जो लोग नजर का चश्मा लगाते हैं,वे भी नेत्रदान कर सकते हैं, जिनको मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सांस की बीमारी है, वो लोग भी आसानी से मृत्योपरांत नेत्रदान कर सकते हैं। जिन लोगों ने नेत्रदान हेतु घोषणा नहीं की है, उनके परिवार के लोगों की सहमति के आधार पर भी नेत्रदान करवाया जा सकता है।

इस दौरान एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य के. सी. सैनी ने बताया कि नेत्रदान की प्रक्रिया मृत्यु के छः से आठ घंटे के मध्य पूर्ण होनी अनिवार्य है। नेत्रदान हेतु शव को कहीं लेकर जाने की आवश्यकता नहीं होती है, इस हेतु आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लोग मृतक के घर जाकर नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण करते हैं, नेत्रदान में शव की पूरी आँख नहीं निकाली जाती है, बल्कि सिर्फ आँख के ऊपर की झिल्ली,जिसे कोर्निया कहते हैं, ही निकाली जाती है, जिससे शव में किसी प्रकार की विकृति नहीं होती है।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, पाली चैप्टर के अध्यक्ष हुकमी चंद मेहता ने संस्था के बारे में पूर्ण जानकारी प्रदान की तथा नेत्रदान के बारे में बताया कि नेत्रदान की सम्पूर्ण प्रक्रिया में सिर्फ 20 मिनट का ही समय लगता है। नेत्रदान करने वाले परिवार के लोगों को चाहिये कि नेत्रदान नहीं होने तक शव की आँखों पर गीली पट्टी लगा कर रखें, शव के उपर पंखा बन्द कर दें ताकि शव का कोर्निया खराब ना हो सके। नेत्रदान के बारे में सूचना देने हेतु बांगड़ चिकित्सालय परिसर में संचालित संचेती धर्मशाला में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान पाली चैप्टर के कार्यालय में तुरन्त सूचना दे। इस हेतु फोन नम्बर 9252066000 या 9414123335 पर भी सूचना दी जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के प्रशिक्षक मदनगोपाल वैष्णव, दिनेश कुमार, महेन्द्र कुमार, आई बैंक सोसायटी के नेत्रदान तकनीशिन मुकेश चारण, ज्योति मित्र हड़मतसिंह, जितेन्द्रसिंह, चन्द्रजीत एवं जहुरूद्दीन सहित लगभग 80 ए.एन.एम. प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में केन्द्र के प्रधानाचार्य के.सी. सैनी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जैन मंदिर एवं स्थानक में आयोजित कार्यक्रम

प्रति वर्ष नेत्रदान पखवाड़े के दौरान जागरूकता हेतु विभिन्न स्थानों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2024 में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा जैन मंदिरों एवं स्थानकों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संपूर्ण जैन समाज पर्युषण महापर्व को एक महोत्सव के रूप में मनाता है। इस वर्ष पर्युषण महापर्व को 1 सितंबर से 8 सितंबर की अवधि में मनाया गया। इस दौरान भारी संख्या में जनसमूह प्रातः साधु संतों के प्रबचन एवं दर्शन के लिए स्थानक एवं मंदिर जाते हैं। 1 सितंबर रविवार को, आई बैंक सोसायटी द्वारा दिल्ली रोड़ स्थित मोहनबाड़ी मंदिर में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां ख्याति प्राप्त साध्वी श्री मणिप्रभा जी का प्रवचन मवण करने लगभग 1000 व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में संस्था के बरिष्ठ सदस्य श्री राजेंद्र भंडारी, संयुक्त सचिव श्रीमती उषा बापना, कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती अंजू जैन ने भाग लिया। श्री भंडारी जी ने धर्म सभा में उपस्थित जनसमूह को नेत्रदान की जरूरत एवं हमारी संस्था के बारे में अवगत कराया। आई बैंक के स्टाफ सदस्य श्री रामदयाल जी जाट एवं श्री मुकेश द्वारा हेल्प डेस्क पर, नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए, पत्रिका एवं पेंपलेट का भी वितरण किया गया। उनके द्वारा आगंतुकों के प्रश्नों के उत्तर एवं भ्रांतियों का निवारण भी किया गया। संस्था द्वारा मंदिर प्रशासन को आभार स्वरूप घड़ी एवं स्मृति चिन्ह भेंट स्वरूप दिए गए।

एक अन्य नेत्रदान जागरुकता कार्यक्रम, दिनांक 6 सितंबर को जबाहर नगर, जयपुर स्थित लाल मंदिर में आयोजित किया गया। कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती अंजू जैन ने प्रवचन सभा में उपस्थित 900 व्यक्तियों को संबोधित कर; अंधता की समस्या, नेत्रदान की जरूरत एवं संस्था के कार्यों के बारे में अवगत कराया। इस कार्यक्रम की बिशेषता और भी अधिक इसलिए थी, क्योंकि खतरगच्छ संघ आचार्य श्री विश्वरत्नसागर सुरेश्वर महाराज जी ने भी धर्म सभा में उपस्थित लोगों को नेत्रदान के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करने का आह्वान किया।

तेरापंथ युवक परिषद् जयपुर द्वारा दिनांक 15 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024 तक नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा अभियान के रूप में मनाया गया। तेयुप जयपुर के अध्यक्ष श्री गौतम बरड़िया, तेरापंथी सभा के सहमंत्री श्री रणजीत हीरावत, आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के सचिव श्री ललितप्रकाश कोठारी, वरिष्ठ प्रबन्धक सुश्री सुदर्शना शेखावत, कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती अंजु जैन की उपस्थिति में नेत्रदान जागरूकता अभियान कॉन्फ्रेस का आयोजन भिक्षु साधना केन्द्र, श्याम नगर जयपुर में किया गया। युवक परिषद के सदस्यों ने आई बैंक से आए हुए सदस्यों का स्वागत किया। नेत्रदान के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। आई बैंक की टीम के द्वारा नेत्रदान के प्रति आमजन की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया एवं संस्था के कार्यो के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर तेयुप जयपुर अध्यक्ष श्री गौतम बरड़िया ने मानवता की सेवा के लिए जन–सामान्य से नेत्रदान करने का आह्वान किया। साधना केन्द्र में विराजमान साध्वी जी ने भी उपस्थित जनसमूह को नेत्रदान करने एवं नेत्रदान को परिवार की परंपरा बनाने की अपील की। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री वरूण बरड़िया ने किया। नेत्रदान जागरूकता अभियान की कुशल संयोजना में संयोजक श्री वरूण बरड़िया व भी हर्ष रांका के साथ किशोर मण्डल सदस्यों का गम उल्लेखनीय रहा। आई बैंक द्वारा तेयुप जयपुर को आभार स्वरूप घड़ी एवं स्मृति चि भेंट में दिए गए।

अंजु जैन
सदस्य

EBSR Kota Chapter Report

During 39th National Eye Donation Fortnight, 25 August to 08 Sept. 2024 the following awareness, programme work executed.

1. **26.08.2024 :** Release of Fortnight poster by Shri Om Birla, Speaker Lok Sabha.
2. **28.08.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at Govt. Arts College Kota, Dr. Roshan Bharti, Principal addressed/motivated the students with the social cause of Eye Donation in present scenario.
3. **29.08.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at Om Kothari Institute of management and research Kota. Dr. Amit Singh Rathore, Director arranged the Programme for about 200 Students of college for this noble cause.
4. **30.08.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at Bharti Teachers Training College, Anantpura Kota. Dr. Savitri Choudhary, Principal coordinated the programme and complete knowledge of cause and benefit of Eye Donation was imparted to the students of college.
5. **31.08.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at PM Shri Kendriya Vidhyalaya No. 2 Station Kota. Principal Shri Shivdan Singh along with staff and 200 students were present.
6. **02.09.2024 :**

   (A) Organized Eye donation awareness camp at Govt. Senior Secondary School Keshavpura Kota. Dr. Vaidehi Gautam, Principal addressed the staff and about 100 students for Eye Donation.

   (B) Organized Eye donation awareness camp at Central Jail Kota.

Mens Jail : Shri Rajendra Kumar, Jail Superintendent addressed about 300 Prisoner and staff members and motivated them for Eye Donation.

Womens Jail : Smt. Farzana, Deputy Superintendent also motivated the womens prisoner for Eye Donation. Being inspired the most of prisoner showed their instant pledge for Eye Donation.

7. **03.09.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at PM Shri Govt. Senior Secondary School Kaithoon. Sh. Ashok Gupta, Principal Smt. Anita Sharma, Vice Principal along with 20 staff members and 300 students attended the programme.
8. **04.09.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at Mahatma Gandhi Govt. School English Medium, Vocational Nayapura Kota. Smt. Sapana Chaturvedi, Principal along with 15 staff members and 250 students attended the programme.
9. **05.09.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at Govt. Senior Secondary School, Gopalpura Kota. Mrs. Shweta Panwar, Principal Smt. Archna Srivastava, Vice Principal, along with staff members and 150 students attended the programme.
10. **06.09.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at Bharatiya Vidya Mandir Senior Secondary School, Keshavpura, Kota. Sh. G.D. Goyal, Sh. Tripathi Ji and Sh. Vishnu Mittal Directors, along with 10 staff members and 90 students attended the programme.
11. **07.09.2024 :** Organized Eye donation awareness camp at Dev Public School Prem-Nagar-III, Kota Sh. Har Govind Vijay, Director and Sh. Ashish Vijay Director were present along with staff and 250 students.

In all the above Eye donation awareness camp, Dr. K.K. Kanjoliya, Sr. Eye Specialist and president EBSR Kota

chapter explained the requirement, process and various important information regarding Eye Donation. Dr. Suresh Pandey Sr. Eye Surgeon and Co-ordinater EBSR Kota chapter, with PPT vide Projector explained the technicalities regarding functioning of Eye and Cornea Transplant, Prominent Social worker and President Gayatri Shaktipeet, Shri G.D. Patel also Vice President EBSR, Dr. Neeraj Shrivastava Jt. Secretary EBSR and ISTD Ex-National President Ms. Anita Chauhan Executive member EBSR and President ISTD Kota Shri Amit Singh Rathore Executive member EBSR also addressed the students and staff for this Noble cause. Suresh Sedwal, Secretary EBSR Kota summarized the event along with vote of thanks to the concerned.

12. 08.09.2024 : Closing Ceremony with Felicitation Programme for Eye Donor's family members.

Chief Guest :
Dr. Sangeeta Saxena,
Principal Govt. Medical College, Kota.

Presiding Officers :
Dr. Jagdish Soni, CMHO Kota

Guest of Honour :
Sh. Rajesh Maheshwari,
MD ALLEN Career Institute, Kota

Sh. Hari Mohan Sharma, Dy Director Industries

In presence of above and EBSR members and other guest about 70 families of Eye Donor of period Jan. 2024 to 31 Aug. 2024 were Honored with garland, Shawl, memento and framed certificate of appreciation. The invited guest, financial Donors and head of Institution (where awareness camp were organized) were also honored. Our EBSR Auditor Sh. Yogendra Gupta, MOC Sh. Gopal Soni, EBSR Technician Sh. Tinku Ojha and office bearer of Ratary Club Kota were also acknowledged for there services/help.

Dr. K.K. Kanjoliy gave the welcome speech and explained the achievements and work of EBSR Kota along with motivation words. Dr. Suresh Pandey Via PPT explained the process of Corneal removal and its transplantation along with other technical details. The Chief Guest Dr. Sangeeta Saxena and others guest of honour also addressed the function with there motivational speech Prominent Executives of EBSR Kota Sh. G.D. Patel, Sh. Rajendra Agarwal, Dr. Neeraj Shrivastava, Ms. Anita Chauhan, Dr. Amit Singh Rathore, Sh. Ishwar Lal Saini, Dr. Mahesh Panjabi, Sh. Sandeep Agarwal (Chandiwala), Dr. Ved Prakash Gupta, Prof. Sh. K.L. Gupta, Sh. Harish Agarwal along with many members were present in the programme. Sh. Suresh Sedwal Secretary EBSR Kota conveyed vote of thanks to all followed by lunch for all.

Dr. K.K. Kanjoliya
President
EBSR Kota Chapter

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चैप्टर द्वारा नेत्रदाता परिवार, नेत्र चिकित्सक एवं सहयोगकर्ता हुए सम्मानित

सीमा संदेश संवाददाता

कोटा। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चैप्टर द्वारा नेत्रदाता परिवार सम्मान समारोह रोटरी बिनानी सभागार शॉपिंग सेंटर में आयोजित किया गया। अध्यक्ष के.के. कंजोलिया ने बताया कि इस अवसर पर 70 नेत्रदाता परिजनों को माला, शॉल, दुपट्टा व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं सोसायटी सहयोगकर्ता, भामाशाह व नेत्रदान पखवाड़े सफल बनाने वालें को सम्मानित किया। सचिव सुरेश सेडवाल ने बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश पांडेय ने डिजिटल प्रेजेंटेशन के माध्यम से नेत्र की आवश्यकता एवं कॉर्निया प्रत्यारोपण की प्रक्रिया को दर्शाया। गोपाल सोनी एवं डॉ. अमित सिंह राठौड़ ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल संगीता सक्सेना, अध्यक्षता कर रहे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जगदीश सोनी, रोटरी क्लब के मुकेश व्यास एवं सचिव धनश्याम मूंदडा, ईबीएसआर सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चैप्टर के अध्यक्ष के.के. कंजोलिया एवं राजेन्द्र अग्रवाल, जी.डी. पटेल ने नेत्रदानी परिवारों को सम्मानित किया और परिजनों ने नम आँखों से सम्मान ग्रहण किया।

कोटा चैप्टर का यूटिलिटी रेट 55 प्रतिशत

स्वागत भाषण में डॉ. के.के. कंजोलिया ने कहा कि कोटा चैप्टर 9 अक्टूबर 2011 से कोटा संभाग में कार्यरत है। प्रथम वर्ष 6 कॉर्निया ही प्राप्त हो सके, अगस्त 2024 तक संस्थान ने कुल 1864 कॉर्निया प्राप्त किए जा चुके हैं। जिनमें से 1035 कॉर्निया प्रत्यारोपित किए जा सके हैं। इसका यूटिलिटी रेट 55.5 प्रतिशत है। संपूर्ण राजस्थान में वर्ष 2002 से अगस्त 2024 तक 23,268 नेत्रदान हुए और उनमें से 15,028 कॉर्निया प्रत्यारोपित किए जा सके हैं।यूटिलाइज रेट 64 प्रतिशत है।

EMPOWERING YOUNG MINDS FOR EYE DONATION: VISION FOR A BETTER TOMORROW

In this age, there is a generation that is passionately becoming the change that they wish to see in the society and one such area that can have their presence felt is in eye donation. Eye donation is an urgent requirement with millions waiting for cornea transplant and with youth having the passion, this makes a good area for change. Young people creating a culture of giving using their active engagement, advocacy, and awareness activities are empowering change that will light the world.

Young Generation as Eye Donation Promoters

There are several reasons why the young generation is significant in supporting eye donation:

1. **As Changemakers:** Young people have new ways of reaching out and raising awareness through social media, friends, and schools or campus events, initiating the eye donation discussion on most people's lips. They bust myths and make it common to talk about 'donating' thereby creating more potential donors.

2. **Educating Others:** Majority of the people are uninformed about eye donation's straightforwardness and practicality. Young people engage in clubs at school, National Service Scheme activities or community activities, which inspire other people, making them willing to sign up and promote the cause.

3. **Using Digital Media:** Young people are in such a position to ensure that there is a trend on eye donation which will involve making reels posters and social media posts that teach the procedures involved and help spread the word of understanding the awareness

Spotlight during the Eye Donation Campaigns –

Focus on Youth during the Eye Donation Awareness Fortnight- 25th Aug- 8th Sept, 2024

Latest events, during the eye donation awareness fortnight this year, once again evidenced to the impact of young voices in making the case for eye donation across the state of Rajasthan. Programs organized in schools and colleges not only educated but also involved the youth actively demonstrating their ability to become advocates for the cause.

1. **College Awareness Drives:** At Geeta Bajaj Women's B.Ed College, at St. Wilfred's PG College, Biyani Girls College, SMS Nursing College and Govt. PG College in rural Jaipur, students were familiarized with the concept of eye donation through the interactive modes. The students learned the concept of visual impairment through presentations, myth busters and blindfold activities designed to promote eye donation and were encouraged to do so.

2. **Engagement with Future Civil Servants:** The programme at the Rajasthan State Institute of Public Administration witnessed participation of more than 200 civil service trainees during which the future role of civil servants in relation to eye donation was emphasized. Through the blindfolding experience they

were made to realise the difficulties of visually challenged persons. They pledged to promote this cause as a component of their health programs and village outreach activities.

3. NSS Activities at IIS, Jaipur (Deemed to be University): In poster making contests, there were more than two hundred NSS students who worked tirelessly in the poster designing process. Because of these activities, students were able to artistically show their support with fans and use their networks to get the word out. A pledge ceremony was conducted to strengthen their resolve towards eye donation message.

4. NCC Cadets March in Jaipur: Hundreds of NCC cadets from the Army , Navy and the Air Force came together to march from Choti Chaupar to Hawa Mahal, waving placards and chanting pro eye donation slogans. This procession, which was supported by the police band, was mesmerising for the residents and tourists, and it accentuated the importance of the youth in a campaign-based approach to outreach us all around the world.

5. ICFAI University, Jamdoli— Eye Donation Awareness Program: In collaboration with First India

Entertainment TV Channel , ICFAI University conducted an eye donation awareness program that was as effective as it was fun. “Hungama” quiz was a hit among more than 1000 students and faculty, along with a slew of spectacular presentations by students demonstrating the plight of those suffering from Corneal blindness during this event. The role of eye donation and clips of representatives of the Eye Bank Society of Rajasthan stressed out the importance of eye donation on their emotional wellbeing. This blend of culture and education inspired many participants to pledge their support for eye donation, reinforcing the belief that youth can play a powerful role in advancing this noble cause.

These initiatives reflect the profound impact young people can have in advancing the cause of eye donation. By spreading awareness, dispelling myths, and leading by example, they are building a compassionate, inclusive future where the gift of sight becomes a reality for more individuals. The young generation’s energy, creativity, and commitment are indispensable in driving a cultural shift towards eye donation—lighting the way for a society where vision is a shared gift.

Sudarshna Shekhawat
Sr. Manager
EBSR

FIRST INDIA City First — Events — JAIPUR, FRIDAY | SEPTEMBER 6, 2024

Quiz, Cause, & Celebration:
A UNIQUE EVENT

Pranjal Jain

TEN YEARS OF HOSPITALITY!

AJMER CHAPTER

Various activities undertaken during and around Pakhwada period from 25th August to 08th September, 2024.

1. Meeting in the JLN Hospital was organised by us on 25.8.2024 in OPD to promote the cause. This was attended by Dr. Harsolia, Nursing Staff & several OPD patients. Attended by Bharat & Kuldeep.

2. A program was organised at Balothan Sr. Sec. School. Thanwla in the morning on 26.8.2024. About 300-400 children along with Teachers & staff were present. The initiative to organise the program was taken by Miss Puja Bhati who is a resident of this village & successful Keratoplasty of this girl was done in JLN, Ajmer. Attended by Bharat & Kuldeep.

3. A program was organised at CSC Hospital, Merta City on 27.8.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep (Photo attached).

4. A program was organised at CSC Hospital, Pushkar on 28.8.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

Three Programs were done on 28 August, 2024

5. A program was organised at CSC Hospital, Govindgarh on 29.8.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

6. A program was organised at Sub Centre, Nand on 29.8.2024. Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Attended by Bharat & Kuldeep.

7. A program was organised by Lions Club – Astha, Ajmer on 29.8.2024. Several Lion members & their families and members of Methil Brahmin Samaj & other guests were present. Attended by Bharat & Kuldeep.

Three Programs were organised by Shri S.N. Sharma of Drishti Seva Sanstha on 30th Aug, 2024

8. A program was organised at Sr. Sec. School, Jawaja in the morning on 30.8.2024. About 300-400 children along with Teachers & staff were present. Attended by Bharat & Kuldeep.

9. A program was organised at CSC Hospital, Jawajaj on 30.8.2024. Doctors Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

10. A program was organised at Amrit Kaur Hospital, Beawar on 30.8.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

Three Programs were done on 31st August, 2024

11. A program was organised at CSC Hospital, Bhinai on 31.8.2024. Doctors, Nursing Staff, Asha Seheyogini, Aanganwadi Karyakarta & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

12. A program was organised at Govt. Hospital, Bijaynagar on 31.8.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

13. A program was organised by Pariyavaran Mitra Mandal, Gulabpura on 31.8.2024 for specially promotion of Eye Donation in which all different Samaj & MGOs (about 25 in nos.) were present along with a total gathering of about 250 persons. This was attended by Shri Rakesh Ji Gupta & Shri Pramod Ji Bhargava along with Bharat & Kuleep.

Three Programs were done on 01st September, 2024

14. A program was organised at District Hospital, Kekri on 01.09.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

15. A program was organised at Red Cross Society, Kekri on 01.09.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

16. An Eye camp was organised by Lions Club, Kekeri held on 01.09.2024. Promotion of Eye Donation was done by us.

17. A program was organised at CSC Hospital, Sarvar on 01.09.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

Two Programs were done on 02nd Sept., 2024

18. A program was organised at CSC Hospital, Sapla on 02.09.2024. Doctors, Nursing Staff, Patients in OPD & others were present. Promotion was done at Mortuary. Attended by Bharat & Kuldeep.

19. A program was organised at Central Jail, Ajmer in the evening on 02.9.2024. About 100 Male along with their staff were present. Attended by Bharat & Kuldeep.

20. Press conference was organized with reporters of all News Papers & Channels etc. which was successful & which was followed by a meeting of several active members of various JLN Hospital Eye Department HOD & other Doctors & staff, NGOs & organisations like Lions, 100 Club, Jain Social Group Classic & several others from Ajmer & even outside Ajmer, like Kishangarh etc, etc. which was organised at Maheshwari Sewa Samiti, Ajmer on 05.09.2024 to promote Eye Donation & give them a message that we all collectively need to do much more so that more Eye Donors can be motivated. About 50 persons were there.

21. Awareness program was done at Police Training School, Kishangarh on 06.9.2024 in which about 50 Male & Female trainees were present Shri Tirlok Ji Tripathi were present.

Ravi Toshniwal
President
EBSR Ajmer Chapter

भीलवाड़ा में नेत्रदान पर जागरुकता अभियान

भीलवाड़ा में राकेश पगारिया ने नेत्रदान जागरूकता अभियान के लिए प्रयासरतहैं। वर्तमान के अंदर राकेश पगारिया लायंस क्लब के अंदर रीजन चेयरमैन है जो की बिजोलिया, गंगापुर, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा के क्लबों का दायित्व है। सभी जगह वह नेत्रदान के लिए बराबर प्रयास कर अधिक का अधिकाधिक नेत्रदान जागरूकता जानकारी प्रदान करते हैं। इस वर्ष 2000 कैरी बैग नेत्रदान के ऊपर छपवाकर जगह–जगह पर वितरित किए गए। आपके प्रयास से किए गए नेत्रदान के फोटोज साथ में संलग्न है। स्कूलों के अंदर नेत्रदान पखवाड़ा के अंदर कई जगह पर स्कूलों में भी जानकारियां प्रदान कर पोस्टर लगवाए गए पूरे जिले से आए शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को भी नेत्रदान के बारे में जानकारीया प्रदान कर अधिकाधिक नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

दान में प्राप्त कॉर्निया माह जुलाई से सितम्बर 2024

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
जुलाई 2024	126	89	70 %
अगस्त 2024	172	92	53 %
सितम्बर 2024	180	104	58 %
कुल संख्या	478	285	60 %

वित्तीय दान दाताओं की सूची (जुलाई से सितम्बर, 2024)

1.	श्रीमति सुशीला शर्मा	51000
2.	श्रीमति शिमला भण्डारी	25000
3.	श्रीमति अनिता वैध	21000
4.	प्रो. हरी शंकर शर्मा	21000
5.	श्रीमति कृष्णा भटनागर	20000
6.	श्री महेन्द्र सोनी	11000
7.	कर्नल चन्द्रप्रकाश वर्मा	10000
8.	जस्टिस श्री नागेन्द्रा जैन	5000
9.	श्रीमति मृदुला दुगढ़	3000
10.	श्रीमति जितेन्द्र सिंह	450
11.	श्री शुभजित चौधरी	163
12.	श्री विवेकानन्द जी	28
	कुल	167641

नेत्र दान दाताओं की सूची

क्र.स. | नाम | पता

जुलाई 2024

1. नारायण दासवनानि,
2. रमेश चंद, बस्सी, जयपुर
3. चरणजीत सिंह, जयपुर
4. धनकुंवर बाई, झालावाड़
5. घनश्याम सिंह, बस्सी, जयपुर
6. सुमेश शर्मा, धौलपुर
7. अजय कुमार, आगरा (यू.पी.)
8. गौतम, फिरोजाबाद (यू.पी.)
9. गोपाल, सवाई माधोपुर
10. लाल चंद जैन, भवानीमंडी
11. बाल किशन मालू, किशनगढ़
12. मंगल चंद कुमावत, शाहपुरा, जयपुर
13. शिव नारायण गुप्ता, कोटा
14. दामोदर सोनी, वीरेन्द्र नगर
15. नितिन कुमार, महेन्द्रगढ़
16. प्रेमनाथ टंडन, कोटड़ा, अजमेर
17. संदीप लुकाड, विक्टोरिया पैलेस
18. रत्नी देवी, उदयपुर
19. मोहनी बाई कोठारी, उदयपुर
20. हरीश कुमार ललवानी, ब्यावर
21. विकाश वर्मा, जमवारामगढ़, जयपुर
22. वासुदेव, मधुबन
23. प्रकाश चंद पाटनी, जयपुर
24. श्रीमती पारस देवी जैन, किशनगढ़
25. धीरज विजय, अजमेर
26. आनंद कुमार, अजमेर
27. राजू, फिरोजपुर (हरियाणा)
28. कांता जैन, कोटा
29. दिव्या, चंदना भाकर
30. मीना जैन, चित्तौड़गढ़
31. ओम प्रकाश कुमावत, श्रीमाधोपुर (नीमकाथाना)
32. गुमान सिंह जैन, अजमेर
33. निर्मला गोयल, झालावाड़
34. झाला राम, जलीली बाईपास
35. संध्या शर्मा, केकड़ी
36. कुलदीप मारा, अजमेर
37. शुभांक सक्सेना, कोटा
38. हीरालाल, धौलपुर
39. योगेश टेलर, किशनगढ़
40. सुनीता भन्साली, सरदारपुरा
41. रामनारायण सोनी, ब्यावर
42. श्रीमती रतन देवी चांडक, किशनगढ़
43. नरेश भाटिया, जयपुर
44. मूलचंद गुप्ता, कोटा
45. श्रीमती सरोज मेहता, जोधपुर
46. अशोक कुमार जैन, बांरा
47. ललित कुमार, जयपुर
48. श्रीमती चंद्रकांता तापड़िया, ब्यावर
49. सूर्यप्रकाश कोठारी, किशनगंज
50. जे.के. बलानी, एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज
51. सुगंध बाई, पाली
52. सूरज एमएआई खंडेलवाल, पाली
53. अरुण नारायण अठेला, कोटा
54. पंकज मेहता, आदेशवास नगर
55. दिलीप मल मेहता
56. संजय जैन, जयपुर
57. प्रदीप बाड़मेरा, बाड़मेर
58. विमल कुमार रांका, भीलवाड़ा
59. नेमीचंद माली, नागौर
60. गजराज सिंह लाखावत, नागौर
61. भगवती मित्तल, आर.के. पुरम् रोहिताश्व
62. राजेश दाधीच, कोटा
63. महेंद्र सिंह हुरड़ा, ब्यावर

अगस्त 2024

1. हरि वेवी जेठानी, जयपुर
2. शोम चंद नाहटा, जोधपुर
3. अनिल राव, जोधपुर
4. अर्जुन दास, जोधपुर
5. परी चंद, जोधपुर
6. बनवारी लाल, नवलगढ़, झुंझुनूं
7. शैला भंसाली, जोधपुर
8. मुकेश जैन, कोटा
9. साधना देवी पोरवाल, पाली
10. हनुमान, बस्सी, जयपुर
11. मंजू माली, जोधपुर
12. वीणा भंसाली, जोधपुर
13. प्रद्युम्न कुमार जैन, कोटा
14. भरत सिंह हाड़ा, कोटा
15. रमेश चंद मीणा, दौसा
16. निर्मल कुमार जसिन, केकड़ी
17. नितिन भंडारी, जयपुर
18. किशोर कंवर भंडारी, जोधपुर
19. रूपसिंह रावत, अजमेर
20. अशोक कुमार, दौसा
21. नरेंद्र कुमार, नीमकाथाना
22. सुंदर देवी, जयपुर
23. मीना गुप्ता, भीलवाड़ा
24. श्रीमती शंकुतला देवी शर्मा, किशनगढ़
25. नैनू सिंह, पाली
26. कालू राम सालवी, चित्तौड़गढ़
27. सूरज, दौसा

नेत्र दान दाताओं की सूची

क्र.स.	नाम, पता
28.	सूर्यबाला जैन, कोटा
29.	आशीष बबेल, चित्तौड़गढ़
30.	कुशाग्र सिंह, जोधपुर
31.	राकेश जाटव, करौली
32.	गणेशमल चौरड़िया, कोटा
33.	रामनिवास, चूरू
34.	लेखराज, रेनवाल, जयपुर
35.	राहुल शर्मा, रामगढ़ मंडी
36.	शांति देवी, भवानी मंडी, झालावाड़
37.	जगदीश सत्यनारायण धनोतिया, मंदसौर (एम.पी.)
38.	भंवरी बाई, कोटा
39.	सुशील पाटनी, अजमेर
40.	चंद्र मोहन जैन, कोटा
41.	कमला देवी रैगर, अजमेर
42.	महेश कुमार पंवार, जोधपुर
43.	किरण देवी महथा, किशनगढ़
44.	लीला देवी राजपूत, चित्तौड़गढ़
45.	विजय चंद जैन, जयपुर
46.	राधेश्याम गोयल, झालावाड़
47.	श्याम सुन्दर, दौसा
48.	सरिता शर्मा, कोटा
49.	श्रीमती मंजू बंसल, किशनगढ़
50.	गौतम भड़किया, चित्तौड़गढ़
51.	मोहन लाल रांकावत, जोधपुर
52.	कालूराम बैरवा, जयपुर
53.	अशोक बालानी, जोधपुर
54.	भागीरथ गांधी, जोधपुर
55.	बद्री लाल, टोंक
56.	सुमतिलाल जैन, भानपुरा रोड
57.	पदम चंद बम, जयपुर
58.	संतरा देवी, टोंक
59.	नरेंद्र पंवार, जोधपुर
60.	कंचन देवी नाहर, चित्तौड़गढ़
61.	समीर गुप्ता, कोटा
62.	हरचरण सिंह चन्नी, झालावाड़
63.	गोविंद देवासी, पाली
64.	धरम चंद जैन, कोटा
65.	रिंकेश जाटव, करौली
66.	राजेंद्र नाथ, अजमेर
67.	हरमीत सिंह खुराना, कोटा
68.	पुष्पा बाई, आंवली
69.	राजेश जैन, कोटा
70.	श्रीमती मीना गर्ग, किशनगढ़
71.	रमेश चंद शर्मा, अजमेर
72.	सीमा वैष्णव, डेगाना, नागौर
73.	विष्णु कुमार बंसीवाल, जयपुर
74.	दिलीप त्रिवेदी, जोधपुर
75.	मंजीत कौर खेड़ा, पाली
76.	अरुण जैन, कोटा
77.	कमला देवी, दौसा
78.	केशव देव, भरतपुर
79.	चंद्रेश जैन, बारां
80.	पुष्पा देवी संखलेचा, पाली
81.	श्याम सिंह लोढ़ा, जोधपुर
82.	निर्मला देवी, प्रतापनगर
83.	कांति लाल, जोधपुर
84.	विजेन्द्र, नीमकाथाना
85.	निहाल चंद कांकरिया, कोटा

सितम्बर 2024

क्र.स.	नाम, पता
1.	अनिल कुमार जैन, दौसा
2.	जानकी देवी चौरसिया, अजमेर
3.	कंचन जैन, जोधपुर
4.	तनीष बाफना, जोधपुर
5.	सुमित चंद जैन, ब्यावर
6.	शायर, झुंझुनूं
7.	रचना, भरतपुर
8.	छोटेलाल बैरवा, गंगापुरसिटी
9.	श्रीमती पुष्पालता जैन, जयपुर
10.	कमल चंद जैन, नागौर
11.	पुखराज मलानी, जोधपुर
12.	किरण पोसवाल, दौसा
13.	रतन कुमार सक्सेना, टोंक
14.	नेमीचंद जैन, रामगंज मंडी, कोटा
15.	शैतान सिंह, अलवर
16.	मुस्कान बैरवा, दौसा
17.	रामकिशन शर्मा, जयपुर
18.	वीरेंद्र सिंह, जयपुर
19.	राजू, मैनपुरी (यू.पी.)
20	मंजू देवी, भीलवाड़ा
21.	कलावती अग्रवाल, भीलवाड़ा
22.	स्वाति गोयल, उदयपुर
23.	शिवाली व्यास, उदयपुर
24.	नारायण लाल, सिरोही
25.	धर्मराज मीणा, करौली
26.	सतीश मेहरा, गंगापुरसिटी
27.	कमला देवी दासानी, जयपुर
28.	रामेश्वर प्रसाद दाधीच, भीलवाड़ा
29.	रमेश कुमार जैन, जयपुर
30.	कृष्ण निरंजन गुप्ता, कोटा
31.	महेश सैनी, टोंक
32.	चांद कौर बिड़ला,
33.	सुभाष चंद जैन, जयपुर
34.	आशा संचेती, सरस्वती नगर, मधुबन
35.	झामू देवी, जोधपुर
36.	बुधराज माली, नागौर
37.	अभय सिंह, भरतपुर
38.	सवाई चंद, जयपुर
39.	नानक राम आहूजा, कोटा
40.	लक्ष्य जैन, झालावाड़
41.	राम दयाल, जोधपुर
42.	रुक्मा, बाड़मेर
43.	अजय कुमार चोपड़ा, ब्यावर
44.	प्रभा कंचन,
45.	सोना राम जाखड़, जाखड़ों की ढाणी
46.	भगवान दास, जयपुर
47.	रामनरेश आत्रेय, भीलवाड़ा
48.	रवि शर्मा, जयपुर
49.	ओमप्रकाश राठौड़, भवानीमंडी
50.	मांगी लाल शर्मा, दौसा
51.	मोहित कुमार, रेवाड़ी (हरियाणा)
52.	बलदेव राम, जोधपुर
53.	जौहरी चंद पंवार, जोधपुर
54.	श्रीनाथ गुप्ता, कोटा
55.	तेजवीर, मथुरा (यू.पी.)
56.	अंकित प्रजापत, जयपुर
57.	प्रियंका बाई, सवाईमाधोपुर
58.	कंचन कंवर पीपाड़ा, ब्यावर
59.	योगेन्द्र कुमार चौधरी, जयपुर
60.	श्याम लाल अरोड़ा, कोटा
61.	विद्या चोपड़ा, कोटा
62.	सुखदेव सैनी, बस्सी, जयपुर
63.	श्रीमती किरण देवी सचती, ब्यावर
64.	सुशील चरिवारी, ब्यावर
65.	रुक्मणि देवी, जयपुर
66.	उमराऊ देवी मारू, चित्तौड़गढ़
67.	राजेंद्र, करौली
68.	सजनी कवलरमानी, अजमेर
69.	गिरधारीलाल ढाका, चूरू
70.	दीपचंद पालरेचा, पाली
71.	राजू सिंह, जयपुर
72.	दीपक देवाशी, जोधपुर
73.	राजबहादुर, चौकीपुरा
74	लिक्समा, बीकानेर
75.	गीता देवी, सिरोही
76.	सुशीला देवी, उदयपुर
77.	नर्बदा देवी जोशी, अजमेर
78.	भंवर लाल मेहता, उदयपुर
79.	कमला देवी, झालावाड़
80	हरिशंकर कछावा, जोधपुर
81.	सत्यनारायण, गोविन्दपुरा
82.	यशपाल शर्मा, कोटा
83.	सतवीर सिंह सिद्धु, जयपुर
84.	सोसर बाई बोहरा, चित्तौड़गढ़
85.	श्रीमती सरबती देवी जैन, भीलवाड़ा
86.	डालचंद मेवाड़ा, भीलवाड़ा
87.	पवन कंवर भंडारी, जैन क्रिया भवन, मोती चौक
88.	नरेश कुमार जैन, भगत की कोठी

नेत्रदान का संकल्प करना हुआ अब आसान

- अपने मोबाईल से इस नम्बर पर मिस्डकॉल करें।

7375 855 855

- एसएमएस प्राप्त होने पर वेबसाइट लिंक को क्लिक कर संकल्प पत्र भरें।
- उसी पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

SCAN & PAY

BHIM SBI Pay

We are looking forward to generous contributions from Organisation, Individuals for this Noble Cause. Bank Particulars for Donations through RTGS/NEFT are as follows :

Bank Name : State Bank of India
A/c No. : 38700274930
Branch : Malviya Nagar Branch, Jaipur, India
IFSC Code : SBIN0006912.
Donation by Cheque/Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302 004

फोन : 0141-260 4117, 8559900955, 98292 14013 E-mail : ebsr_jp@hotmail.com • website : www.ebsr.in

For Eye Donation Call Toll Free No. - 18002020388

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI • BIKANER • SHRI GANGANAGAR • BHARATPUR

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर
एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूँगरी रोड, जयपुर – 302004 द्वारा प्रकाशित
सम्पादक : लक्ष्मण बोलिया, सह–सम्पादक : गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in Face book page : fb/eyebanksocietyofraj Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)